भाग अ–परिचय				
कार्यक्रम उपाधि		कक्षा : B.A.	वर्ष:तृतीय	सत्र 2023-24
विषय: संगीत ताल वाद्य (तबला/ पखावज)				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-MSTV4D		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत के सामान्य सिद्धांत–03		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (सैद्धांतिक) समूह A प्रश्नपत्र - I		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे: 1. पाठ्यक्रम के तालों से पूर्ण रूप से परिचित होगा 2. लय तथा पाठ्यक्रम के तालों दुगुन एवं चौगुन की लयकारी में लिपिबद्ध करने का ज्ञान प्राप्त करेगा 3. उत्तर भारतीय संगीत में प्रचलित विभिन्न ताल लिपि पद्धतियों का ज्ञान प्राप्त करेगा। 4. अपने वाद्य के साथ संगत के सिद्धांत का अध्ययन कर संगति करने में संक्षम होगा। 5. वाद्य यंत्रों के निर्माण तथा उनके रख रखाव एवं सुधार के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगारों को प्राप्त कर सकेगा।		
6	क्रेडिट मान	2		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या- 30, ट्यूटोरियल- 0, प्रायोगिक: 0 (प्रति सप्ताह 02)		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1घंटा/ व्याख्यान)
1	1. निम्नांकित तालों का शास्त्रीय अध्ययन– सूलताल, आड़ाचारताल, तीव्रा, दीपचंदी 2. पाठ्यक्रम की तालों को ठाह लय में लिपिबद्ध करने का ज्ञान 3. पाठ्यक्रम की तालों को दुगुन एवं चौगुन की लय में लिपिबद्ध करने का ज्ञान।	08
2	1. निम्नांकित शब्दावलियों की व्याख्या:– पेशकर, परन, टुकड़ा, चमकदार, रेला 2. उत्तरभारतीय संगीत में प्रचलित ताल लिपि पद्धतियों का विस्तृत अध्ययन एवं तुलनात्मक व्याख्या।	08
3	1. तबला/पखावज में हस्त साधना विधि का अध्ययन। 2. तबला/पखावज में साथ–संगत के सिद्धांत का विस्तृत अध्ययन (गायन–वादन के विशेष संदर्भ में)	08
4	1. तीनताल में दो विशेष कायदों का पल्टों, तिहाई सहित लिपिबद्ध करने का ज्ञान। 2. झपताल में दो साधारण कायदें, पल्टों तिहाई सहित लिपिबद्ध करने का ज्ञान। 3. वाद्ययंत्रों के रख – रखाव का ज्ञान एवं उसके निर्माण तथा सुधार के क्षेत्र में रोजगार के अवसर।	06
सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग: ताल ,ताललिपि,पद्धतियाँ, हस्त,साधना,साथ,संगत इत्यादि		

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
1. संगीत विशारद – बसंत संगीत कार्यालय हाथ रस
2. ताल परिचय भाग 2 – प्रो0 गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव – संगीत सदन साउथ मलाका प्रयागराज
3. तबला कौमुदी भाग 2 – पं0 रामशंकर पागलदास – रामचन्द्र संगीतालय ग्वालियर
4. ताल मार्तण्ड – सत्यनारायण वशिष्ठ – संगीत कार्यालय हाथ रस
5. मृदंग तबला प्रभाकर – पं0 रामशंकर पागलदास – संगीत कार्यालय हाथ रस

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. संगीत विशारद – बसंत संगीत कार्यालय हाथ रस
2. ताल परिचय भाग 2 – प्रो0 गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव – संगीत सदन साउथ मलाका प्रयागराज
3. तबला कौमुदी भाग 2 – पं0 रामशंकर पागलदास – रामचन्द्र संगीतालय ग्वालियर
4. ताल मार्तण्ड – सत्यनारायण वशिष्ठ – संगीत कार्यालय हाथ रस
5. मृदंग तबला प्रभाकर – पं0 रामशंकर पागलदास – संगीत कार्यालय हाथ रस

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	30
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब): लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Theory Paper

Part A Introduction				
Program: Degree		Class : B.A.	Year: III	Session: 2023-24
Subject: Sangeet Taal Vaadya				
1	Course Code	A3MSTV1D		
2	Course Title	History of Indian Music-03		
3	Course Type (Core Course/ Discipline Specific Elective/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Discipline Specific Elective Group A Paper 1		
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student must have had this subject in Diploma.		
5	Course Learning outcomes (CLO)	On successful completion of this course, thestudents will be able to: 1. To be familiar with history of Indian Music 2. To express in writing the taal of the syllabus in *dugun* and *chaugun.* 3. To Understand the different *taal lipi*method prevalent in Uttar Pradesh. 4. To learn the principles of accompany and become proficient in accompaniment. 5. To learn about the making and maintenance of their instruments and the employment opportunities available therein.		
6	Credit Value	2		
7	Total Marks	Max. Marks: 30 + 70	Min. Passing Marks: 35	

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):
L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
1	1.Theoretical study of the following: *Sooltaal,Aadhachaartaal, Teevra, Deepchandi* 2.To express in writing the*taals* of the curriculum *3. To express in writing the taals of the syllabus in dugun and chaugun*	08
2.	1. Explanation of the following terms: *Peshkar, Paran, Tukda, Chamakdaar, Rela* 2.Detailed and comparative study of the *Taal Lipi*prevalent in Uttar Pradesh	08
3	1.Study of Hasta Sadhna in Tabla/Pakhawaj 2.Study ofprinciple of accompaniment with special reference to Vocal and instrument.	08
4.	1. To express in writing two *kaayda* along with *palta* and *teehai* in *teentaal* 2.To express in writing two *kaayda* along with *palta* and *teehai* in *Jhaptaal.* 3.To learn about the making and maintenance of their instruments and the employment opportunities available therein.	08

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

11. Sangeet Visharad, Basant , Sangeet KaryalayaHathras
12. Taal Parichay bhag2, Prof. Girish Chandra Shrivastava, Sangeet Sadan south malaaka, prayagraj
13. Tabla Kaumudi Bhag 2, Pt. RamshankarPagaldas, Ramchandra Sangeetaalay Gwalior
14. Taal Martand, Satyanarayan Vashishth, sangeet karyalayHathras
15. MradangTabla Prabhakar, Pt. RamshankarPagaldas, Sangeet KaryalayaHathras

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 Marks University Exam (UE): 70 Marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test Assignment/Presentation	30
External Assessment : University Exam Section Time : 03.00 Hours	**Section(A)** : Very Short Questions **Section (B) :** Short Questions **Section (C) :** Long Questions	70

Any remarks/ suggestions:

Practical Paper

Part A Introduction

भाग अ–परिचय

कार्यक्रम: उपाधि	कक्षा :B.A.	वर्ष:तृतीय	सत्र:2023-24

विषय: संगीत ताल वाद्य (तबला/ पखावज)

1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-MSTV 1 Q
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत के सामान्य सिद्धांत–03
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (प्रायोगिक) समूह A प्रश्नपत्र - I
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे: 1. पाठ्यक्रम के तालों से पूर्ण रूप से परिचित होगा 2. लय तथा पाठ्यक्रम के तालों दुगुन एवं चौगुन की लयकारी में लिपिबद्ध करने का ज्ञान प्राप्त करेगा 3. अपने वाद्य के साथ संगत के सिद्धांत का अध्ययन कर संगति करने में संक्षम होगा। 4. पाठ्यक्रम के तालों को ठाह, दुगुन की लय बजाने तथा पढ़न्त करने का ज्ञान प्राप्त होगा तथा स्वतंत्र वादन की क्षमता का विकास होगा।
6	क्रेडिट मान	4
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-0, ट्यूटोरियल- 0, प्रायोगिक: 60 (प्रति सप्ताह 02)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1 घंटे / व्याख्यान)
1	निम्नांकित तालों को दुगुन लय में बजाने का अभ्यास– सूल, तीव्रा, आड़ा चारताल, दीपचंदी	06
2	तीनताल में न्यूनतम 15 मिनिट स्वतंत्र वादन की क्षमता पेशकर , कायदा, (पल्टो सहित) टुकड़ा, परन, चक्करदार रेला सहित वादन)	06
3	झपताल / रूपक ताल में (कायदा, पल्टो, तिहाई, साधारण टुकड़ा सहित)वादन की क्षमता एवं अभ्यास।	06
4	सुगम संगीत की संगति में प्रयुक्त तालों की जानकारी एवं संगति करने की क्षमत एवं अभ्यास।	06
5	लोक संगीत की विभिन्न विधायें (विशेष रूप से क्षेत्रिय) का ज्ञान एवं संगति करने का ज्ञान एवं अभ्यास	06

सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग: स्वतंत्र वादन, पढ़न्त, कायदा पल्टा, तिहाई

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. संगीत विशारद – बसंत – संगीत कार्यालय हाथ रस
2. ताल परिचय भाग 2 – प्रो0 गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव – संगीत सदन साउथ मलाका प्रयागराज
3. तबला कौमुदी भाग 2 – पं0 रामशंकर पागलदास – रामचन्द्र संगीतालय ग्वालियर
4. ताल मार्तण्ड – सत्यनारायण वशिष्ठ – संगीत कार्यालय हाथ रस
5. मृदंग तबला प्रभाकर – पं0 रामशंकर पागलदास – संगीत कार्यालय हाथ रस

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

आतंरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद ध्प्रश्नोत्तरी	30	प्रायोगिक मौखिकी	70
उपस्थिति		प्रायोगिक रिकॉर्ड फाइल	
असाइनमेंट (चार्ट/मॉडल/सेमिनार/ग्रामीण सेवा/प्रौद्योगिकी प्रसार/भ्रमण(एक्सकर्शन) की रिपोर्ट/ सर्वेक्षण/प्रयोगशाला भ्रमण (लैब विजिट)/औद्योगिक यात्रा		टेबल वर्क/प्रयोग	
	कुल अंक रू 100		

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Program: Degree	Class :B.A.	Year: III	Session: 2023-24
Subject:			

1	Course Code	A3MSTV1Q	
2	Course Title	General principles of Indian Music 03	
3	Course Type (Core Course/ Discipline Specific Elective/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Discipline Specific elective Group A paper 1	
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student must have had this subject in Diploma.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	On successful completion of this course, thestudents will be able to: 1. Be familiar with the *Taal* of the curriculum 2. To express in writing the taal of the syllabus in *dugun* and *chaugun.* 3. To be able to accompany by learning the principles of accompaniment. 4. To play the *Lay* of the syllabus in *thah* and *dugun* with *padhant*to become proficient in playing independently.	
6	Credit Value	4	
7	Total Marks	Max. Marks: 100	Min. Passing Marks:35

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):
L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures (2 Hours Each)
1.	Knowledge of playing the following in dugun: *Sool, Teevra, AadhaChaartaal,Deepchandi*	06
2.	Knowledge of playing independently for a duration of 15 minutesminimum of the following taal: *Peshkar,Kaayda(along with palta), Tukda,Paran, Chakkardaar, Rela.*	06
3.	Knowledge and demonstration of *Kaayda,palta, teehai, saadharantukda in Jhaptaal/ Roopak Taal*	06
4.	Knowledge and demonstration of taal used in accompaniment in Light (sugam) Music	06
5.	Knowledge of various types of folk music with special reference to regional folk music.	06

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Sangeet Visharad, Basant , Sangeet KaryalayaHathras
2.Taal Parichay bhag2, Prof. Girish Chandra Shrivastava, Sangeet Sadan south malaaka, prayagraj
12. Tabla Kaumudi Bhag 2, Pt. RamshankarPagaldas, Ramchandra Sangeetaalay Gwalior
13. Taal Martand, Satyanarayan Vashishth, sangeet karyalayHathras

14. MradangTabla Prabhakar, Pt. RamshankarPagaldas, Sangeet KaryalayaHathras			
Suggested equivalent online courses:			
Part D-Assessment and Evaluation			
Suggested Continuous Evaluation Methods:			
Internal Assessment	**Marks**	**External Assessment**	**Marks**
Class Interaction /Quiz	**30**	Viva Voce on Practical	**70**
Attendance		Practical Record File	
Assignments (Charts/ Model Seminar / Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey / Industrial visit)		Table work / Experiments	
	Total Marks : 100		
Any remarks/ suggestions:			

भाग अ–परिचय				
कार्यक्रम: उपाधि		कक्षा : **B.A.**	वर्ष:तृतीय	सत्र:2023-24
विषय: संगीत ताल वाद्य (तबला/ पखावज)				
1	पाठ्यक्रम का कोड	**A3-MSTV2D**		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**भारतीय संगीत का इतिहास–03**		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (सैद्धांतिक) समूह A प्रश्नपत्र - I		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	**इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे:** 1. भारतीय संगीत के इतिहास से परिचित होगा। 2. अवनद्ध वाद्यों की ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त कर प्राचीन अवनद्ध वाद्यों से परिचित होगा 3. वाद्य वर्गीकरण के सिद्धांत की सामान्य जानकारी प्राप्त होगी। 4. तबला एवं पखावज के कुछ घरानों की जानकारी एवं वादन शैली से परिचित होगा। 5- संगीतज्ञों के जीवन का सामान्य परिचय एवं उनके सांगीतिक योगदान से परिचित होगा। 6- संगीत कार्यक्रमों में उद्घोषक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकेगा।		
6	क्रेडिट मान	**2**		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- 30, ट्यूटोरियल- 0, प्रायोगिक: 0 (प्रति सप्ताह **02**)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1घंटा/ व्याख्यान)
1	1. तबला /पखावज का संक्षिप्त इतिहास का अध्ययन। 2. अवनद्ध वाद्यों का ऐतिहासिक विश्लेषण एवं क्रमिक विकास का अध्ययन।	08
2	1. भारतीय संगीत के मध्यकालीन इतिहास का संक्षिप्त अध्ययन। 2. तबला/पखावज को मिलाने की विधि का विस्तृत अध्ययन। 3. वाद्य वर्गीकरण के सामान्य सिद्धांत की संक्षिप्त जानकारी।	08
3	1. तबला के बनारस एवं अजराड़ा घराने का अध्ययन एवं वादन शैली की विशेषताओं का ज्ञान। 2. पखावज के जावली एवं कोरिया घराने का अध्ययन।	08
4	1. निम्नांकित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान पं० विष्णुदिगम्बर पुलुस्कर पं० अनोखेलाल, पं० सामता प्रसाद(गुदई महाराज)उ० अहमद जान थिरकवा, पं० भवानीदीन पखावजी। 2. सांगीतिक कार्यक्रमों में उद्घोषक की भूमिका एवं उसमें निहित रोजगार के अवसर।	06

सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग:

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. संगीत विशारद – बसंत संगीत कार्यालय हाथ रस
2. ताल परिचय भाग 2 – प्रो० गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव – संगीत सदन साउथ मलाका प्रयागराज
3. तबला कौमुदी भाग 2 – पं० रामशंकर पागलदास – रामचन्द्र संगीतालय ग्वालियर
4. ताल मार्तण्ड – सत्यनारायण वशिष्ठ – संगीत कार्यालय हाथ रस
5. मृदंग तबला प्रभाकर – पं० रामशंकर पागलदास – संगीत कार्यालय हाथ रस

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द -अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: अधिकतम अंक: 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (UE) अंक: 70		
आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):**	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	30
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब): लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70
कोई टिप्पणी/सुझाव:		

TheoryPaper

Part A Introduction				
Program: Degree		Class : B.A.	Year: III	Session: 2023-24
Subject: Sangeet Taal Vaadya				
1	Course Code	A3MSTV2D		
2	Course Title	History of Indian Music-03		
3	Course Type (Core Course/ Discipline Specific Elective/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Discipline Specific Elective		
4	Pre-requisite (if any)	To study this course , a student must have had this subject in Diploma.		
5	Course Learning outcomes (CLO)	On successful completion of this course, thestudents will be able to: 1. To be familiar with history of Indian Music 2. To gain knowledge about history of percussion instrument and knowledge of ancient percussion instruments. 3. To know the principles of classification of instruments. 4. To know about the gharanas of Tabla/Pakhavaj and their playing styles. 5. To learn about the contribution and biography of prominent musicians. 6. To be able to become an anchor in musical concerts		
6	Credit Value			
7	Total Marks	Max. Marks: 30 + 70	Min. Passing Marks: 35	

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):
L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
1	1.Brief study of history of Tabla/ Pakhavaj 2. Historical analysis of percussion instrument and their gradual development.	08
2.	1. Brief study of Indian classical music during the medieval period. 2.Understanding of tuning of Tabla/ Pakhavaj Brief study of classification of instruments.	08
3	1. Study of Benaras and Ajrada Gharana of Tabla and knowledge about distinct playing styles. 2. Study of Jaawali and Koriya Gharana of Pakhawaj	08
4.	1. The biography and contribution to music of the following Musicians: Pt. VishnudigambarPalukar, Pt. Anokhelal , Pt. Saamta Prasad (Gudai Maharaj), Ut. Ahmad Jaan Thirakwa, Pt. BhawanideenPkhawaji 2. Employment opportunities as an anchor in Musical	06

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Sangeet Visharad, Basant , Sangeet KaryalayaHathras
2. Taal Parichay bhag2, Prof. Girish Chandra Shrivastava, Sangeet Sadan south malaaka, prayagraj
3. Tabla Kaumudi Bhag 2, Pt. RamshankarPagaldas, Ramchandra Sangeetaalay Gwalior
4. Taal Martand, Satyanarayan Vashishth, sangeet karyalayHathras
5. MradangTabla Prabhakar, Pt. RamshankarPagaldas, Sangeet KaryalayaHathras

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 Marks University Exam (UE): 70 Marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test Assignment/Presentation	30
External Assessment : University Exam Section Time : 03.00 Hours	**Section(A)** : Very Short Questions **Section (B) :** Short Questions **Section (C) :** Long Questions	70

Any remarks/ suggestions:

भाग अ–परिचय

कार्यक्रम: उपाधि		कक्षा : B.A.	वर्ष:तृतीय	सत्र:2023-24

विषय: संगीत ताल वाद्य (तबला/ पखावज)

1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-MSTV 20
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (प्रायोगिक) समूह A प्रश्नपत्र - I
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिएए छात्र ने विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	**इस पाठ्यक्रम के सफल समापन परए विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे:** 1. पाठ्यक्रम के तालों से पूर्ण रूप से परिचित होगा 2. लय तथा पाठ्यक्रम के तालों दुगुन एवं चौगुन की लयकारी में लिपिबद्ध करने का ज्ञान प्राप्त करेगा 3. लय एवं लयकारी तथा हाथ की क्रियाओं से पढ़न्त करने की क्षमता का विकास होगा। 4. तबला एवं पखावज पर कठिन बोलो की निकास विधि का ज्ञान होगा एवं वाद्य में बजाने की क्षमता का विकास होगा।
6	क्रेडिट मान	4
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या 0, ट्यूटोरियल- 0, प्रायोगिक 60 (प्रति सप्ताह 02)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (2 घंटे / व्याख्यान)
1	तबला / पखावज पर निम्नांकित बोलों की निकास विधि एवं वाद्य यंत्र पर बजाने का अभ्यास – तकधड़ान, धिरधिर, धुमकिट, दींगड़, दिंगदिनागिन।	08
2	निम्नांकित तालो के ठेको का ज्ञान एवं बजाने का अभ्यास तीव्रा, सूलताल, आड़ाचारताल, दीपचंदी।	06
3	पाठ्यक्रम की तालो को ठाह लय एवं दुगुन की लय में हाथ की क्रियाओं से पढ़न्त करने का ज्ञान।	06
4	तीनताल में विशेष बोलो से निर्मित दो कायदों को पल्टो एवं तिहाई सहित वादन करने की क्षमता एवं अभ्यास।	06
5	आड़ाचारताल / सूलताल में दो कायदे पल्टो एवं तिहाई सहित वादन की क्षमता एवं अभ्यास	06

सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग:

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकेंए संदर्भ पुस्तकेंए अन्य संसाधन

1- संगीत विशारद – बसंत संगीत कार्यालय हाथ रस
2- ताल परिचय भाग 2 – प्रो0 गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव – संगीत सदन साउथ मलाका प्रयागराज
3- तबला कौमुदी भाग 2 – पं0 रामशंकर पागलदास – रामचन्द्र संगीतालय ग्वालियर
4- ताल मार्तण्ड – सत्यनारायण वशिष्ठ – संगीत कार्यालय हाथ रस
5- मृदंग तबला प्रभाकर – पं0 रामशंकर पागलदास – संगीत कार्यालय हाथ रस

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

आतंरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद /प्रश्नोत्तरी	30	प्रायोगिक मौखिकी	70
उपस्थिति		प्रायोगिक रिकॉर्ड फाइल	
असाइनमेंट (चार्ट/मॉडल/सेमिनार/ग्रामीण सेवा/प्रौद्योगिकी प्रसार/भ्रमण; एक्सकर्शन द्ध की रिपोर्ट/ सर्वेक्षणध्प्रयोगशाला भ्रमण ,लैब विजिटद्ध/औद्योगिक यात्रा		टेबल वर्क/प्रयोग	
	कुल अंक रू 100		

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Practical Paper

Part A Introduction			
Program: Degree	Class :B.A.	Year: III	Session: 2023-24
Subject:			

1	Course Code	A3MSTV2Q
2	Course Title	HISTORY OF INDIAN MUSIC 03
3	Course Type (Core Course/ Discipline Specific Elective/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Discipline Specific elective Group A paper 1
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student must have had this subject in Diploma.
5	Course Learning outcomes (CLO)	**On successful completion of this course, thestudents will be able to:** 1. Be familiar with the *Taal* of the curriculum 2. To express in writing the taal of the syllabus in *dugun* and *chaugun.* 3. To be able to demonstrate *lay* and *laykaari*with the use of hands. 4. To play complex *bol*of table and pakhavaj and become better at playing the instrument.
6	Credit Value	4
7	Total Marks	Max. Marks: 100 / Min. Passing Marks:35

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):
L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures (2 Hours Each)
1.	**Technique of playing the following on Tabla/pakhwaj** ***Takdaan, Dhirdhir, Dhumkit, Deegad, Digdinagin***	06
2.	**Knowledge of *theka*and playing of the following taal:** ***Teevra, Sooltaal, Aadhachaartal, Deepchandi***	06
3.	**Knowledge and demonstration of *Thah* and *dugun*through hand movements.**	06
4.	**Knowledge and demonstration of two *kaayda* through *palta* and *teehaï*in *teental***	06
5.	**Knowledge and demonstration of two *Kaayda* along with *palta*and *teehaï*in *Aadhachaartal/ Sooltaal***	06

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. **Sangeet Visharad, Basant , Sangeet KaryalayaHathras**
2. **Taal Parichay bhag2, Prof. Girish Chandra Shrivastava, Sangeet Sadan south malaaka, prayagraj**

3. Tabla Kaumudi Bhag 2, Pt. RamshankarPagaldas, Ramchandra Sangeetaalay Gwalior
4. Taal Martand, Satyanarayan Vashishth, sangeet karyalayHathras
5. MradangTabla Prabhakar, Pt. RamshankarPagaldas, Sangeet KaryalayaHathras

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
Class Interaction /Quiz	30	Viva Voce on Practical	70
Attendance		Practical Record File	
Assignments (Charts/ Model Seminar / Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey / Industrial visit)		Table work / Experiments	
	Total Marks : 100		

Any remarks/ suggestions:

Practical Paper

Part A Introduction

भाग अ–परिचय				
कार्यक्रम: उपाधि		कक्षा : B.A.	वर्ष:तृतीय	सत्र:2023-24
विषय: संगीत ताल वाद्य (तबला/ पखावज)				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-MSTV3D		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत का इतिहास–03		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (सैद्धांतिक) समूह B प्रश्नपत्र - I		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिएए छात्र ने विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	**इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे:1-** 1. भारतीय संगीत के इतिहास से परिचित होगा। 2. अवनद्ध वाद्यों की ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त कर प्राचीन अवनद्ध वाद्यों से परिचित होगा 3. वाद्य वर्गीकरण के सिद्धांत की सामान्य जानकारी प्राप्त होगी। 4. तबला एवं पखावज के कुछ घरानों की जानकारी एवं वादन शैली से परिचित होगा। 5. संगीतज्ञों के जीवन का सामान्य परिचय एवं उनके सांगीतिक योगदान से परिचित होगा।		
6	क्रेडिट मान	2		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या- 30, ट्यूटोरियल- 0, प्रायोगिक: 0 (प्रति सप्ताह 02)		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1घंटा/ व्याख्यान)
1	1. भारतीय अवनद्ध वाद्य का प्रचीन कालीन ऐतिहासिक विश्लेषण :– पुष्कर, पणव एवं पटह वाद्यों का सामान्य अध्ययन। 2. तबला/पखावज वाद्य की वर्तमान समय में उपादेयता का विस्तृत अध्ययन।	08
2	1. भारतीय संगीत के रामायण , महाभारत, पुराणकालीन इतिहास की संक्षिप्त जानकारी एवं इस काल के प्रमुख ग्रंथ एवं रचना कार के नामों का ज्ञान। 2. वाद्य वर्गीकरण के प्रचीन मतों का सामान्य अध्ययन तथा अवनद्ध वाद्यों का वर्गीकरण का विस्तृत अध्ययन।	08
3	1. तबला के फरूखाबाद एवं पंजाब घरानों का अध्ययन एवं वादन शैली की विशेषताओं का अध्ययन। 2. पखावज के पंजाब घराना एवं नाना पानसे घराने का अध्ययन एवं वादन शैली की विशेषताओं का अध्ययन ।	08
4	निम्नांकित ग्रंथकारों / संगीतज्ञों का सामान्य परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में योगदान– 1 पं. सारंगदेव 2 भरत नारद 3 पं. रामशंकर पागलदास, 4 पं. छत्रपति सिंह बिजना	06
सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग: पणव, पटह, पुष्कर, उपादेयता		